दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र 2024-25

अभ्यास कार्य पत्र (5)

कक्षा: आठवीं **विषय: हिंदी**

प्र०1) दिए गए अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :-

गीता के इस उपदेश की लोग प्रायः चर्चा करते हैं कि कर्म करें,फल की इच्छा न करें। यह कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं। कर्म के मार्ग पर आनंदपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अंतिम फल तक ना भी पहुँचे, तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्म करते हुए उसका जो जीवन बिता वह संतोष या आनंद से बीता, उसके उपरांत फल के प्राप्त न होने पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया । फल पहले से कोई बना- बनाया पदार्थ नहीं होता। अनुकूल प्रयत्न करने के अनुसार ,उसके एक-एक अंग की योजना होती है। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है ,वह वैद् यों के यहाँ से जब तक औषधि ला - लाकर रोगी को देता जाता है तब तक उसके चित्त में जो संतोष रहता है, प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनंद का अन्मेष होता रहता है, यह उसे कदापि न प्राप्त होता , यदि वह रोता हुआ बैठा रहता।प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह से बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दुःख में कटता। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्म-ग्लानि के उस कठोर दुःख से बचा रहेगा जो उसे जीवन भर यह सोच- सोच कर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया। कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल- स्वरुप लगते हैं। अत्याचार का दमन करते हुए कर्म करने से चित्त में जो संतुष्टि होती है, वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है।

क) घर के बीमार सदस्य का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

अ) पारिवारिक कष्ट बताने के लिए। आ) शोक और दुःख के अनुभव के लिए।

इ) नया उपचार बताने के लिए। ई)सेवा और संतोष के लिए।

ख) कर्मण्य किसे माना गया है?

अ) जो काम करता है। आ) जो काम करने में आनंद पाता है।

इ) जो दूसरों से काम करवाता है। ई)जो फल का लोभ करे।

ग) गीता के किस उपदेश की ओर संकेत है ?

अ) कर्म करें, आ)कर्म का फल पाना।

इ)फल की चिंता नहीं। । ई) (अ) तथा (इ) दोनों

घ)कर्म के मार्ग पर चलते हुए मनुष्य को फल न मिलने पर भी पछताना क्यों नहीं होता है ?

ङ) कर्मवीर का सच्चा सुख किसे कहा गया है ?

प्र०2) दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क) बिलवासी जी ने रूपयों का प्रबंध कहाँ से किया था ?

ख) "लाल झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।" आपके विचार से लाल झाऊलाल जी ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी ?

ग) ' सप्ताह से आपका तात्पर्य सात दिन से है या सात वर्ष से ' प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट करें -

प्र०3) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए -

क) (i) दुर् **(ii)** गैर (दिए गए उपसर्गों से दो - दो शब्द बनाएँ।)

ख) (i) इया **(ii)** आवट (दिए गए प्रत्ययों से दो - दो शब्द बनाएँ।)

ग) (i) स्मरण **(ii)** नसीब (दिए गए मूल शब्द में उपसर्गऔर प्रत्यय दोनों का एक साथ प्रयोगकर शब्द बनाएँ।)

घ) (i) दोपहर **(ii)** गजानन (समास -विग्रह करके समास के भेद का नाम लिखें।)

ङ) (i) सुंदर हैं जो नयन **(ii)** मति के अनुसार (समस्तपद बनाकर समास के भेद का नाम लिखें।)

प्र०4) अपने क्षेत्र के नालियों तथा सड़कों की समुचित सफाई न होने पर स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

प्र०5) स्वच्छता का जीवन में महत्तव बताते हुए माँ और पुत्री के मध्य हुई बातचीत को 8 से 10 पंक्तियों में संवाद रूप में लिखें।

प्र०6) दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन कीजिए -

" अतिथि देवो भव "

संकेत बिंदु:- ★अतिथि देवो भव का अर्थ ★अतिथि सत्कार

★महत्त ★आपका कोई अनुभव